TIMES OF INDIA, Mumbai, 16.3.2023
Page No. 3, Size:(14.53)cms X (12.57)cms.

BULLET TRAIN BKC STN CONTRACT GIVEN
24 METRES BELOW GROUND, FOR ₹3,700CR

A contract valued at ₹3,681 crore to build the Mumbai-Ahmedabad bullet train project's only underground station, at Bandra-Kurla Complex, has been awarded by the National High Speed Rail Corporation, which is implementing the project, to a joint venture of Hindustan Construction Company and Megha Engineering & Infrastructures. **Manthan K Mehta** reports

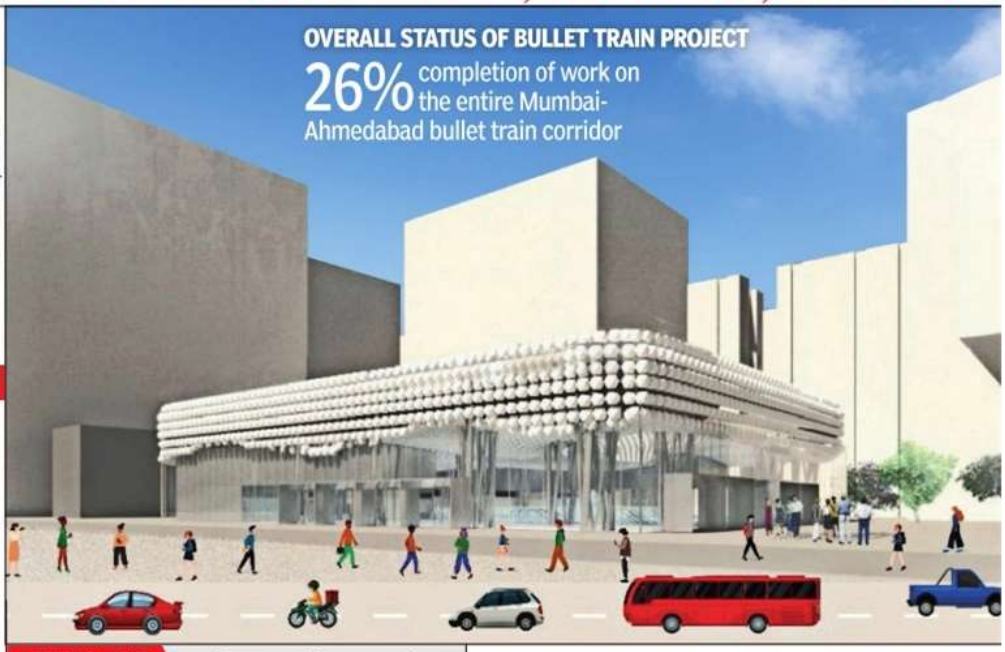

Pics: Artist's impressions

OVER 400M-LONG PLATFORMS

Depth
24 metres below ground level

Platforms
6 platforms, each 414-metre long, sufficient to accommodate a 16-coach bullet train

Floor area
2L sq m will be the cumulative floor area

Connectivity
2 entry/exit points planned to facilitate access to Metro Line 2B station and MTNL Building

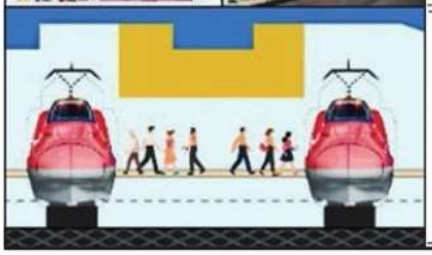

MULTILEVEL COMPLEX — **4 floors** will comprise the station complex

1. **Ground.** Entrances, ventilation shafts, security and baggage screening, central landscape and skylight
2. **First basement.** To have various equipment rooms
3. **Second basement.** Unpaid & paid concourse, business-class lounge, ticket office, TVM & customer care, commercial shops
4. **Third basement.** Platforms, operational rooms, station control room

STATION TO HAVE NATURAL LIGHTING

Theme | Entry structure design theme inspired by clouds and sea tides

Design | Station planned to make available ample space for passenger movement

Amenities | Security, ticketing, waiting areas, lounges, nurseries, rest rooms, smoking rooms, information kiosks, retail and extensive amenities at concourse and platform levels. Skylight provisions for natural lighting

54 months Deadline for completion from work commencement date (roughly 2027)

NAVBHARAT TIMES, Mumbai, 16.3.2023
Page No. 3, Size:(35.04)cms X (10.74)cms.

मुंबई में जल्द शुरू होगा बीकेसी बुलेट ट्रेन स्टेशन का काम

Damodar.Vyas@timesgroup.com

मुंबई : इन दिनों मुंबई में दर्जनों बड़े प्रॉजेक्ट का काम तेजी से चल रहा है। इसमें सभी मेट्रो कॉरिडोर, कोस्टल रोड और एमटीएचएल जैसे प्रॉजेक्ट हैं। अब जल्द ही बीकेसी में देश के सबसे बड़े प्रॉजेक्ट का काम शुरू होने वाला है। ये है बुलेट ट्रेन के लिए बीकेसी स्टेशन का काम जिसका टेंडर अवॉर्ड हो चुका है। इस साल की शुरुआत में खुली वित्तीय निविदा में मैसर्स मेघा इंजिनियरिंग ऐंड इन्फ्रास्ट्रक्चर्स और हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (जॉइंट वेंचर) ने सबसे कम 3,681 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। नैशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) के अनुसार हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी (HCC) और मैसर्स एमईआईएल मिलकर स्टेशन का निर्माण करेगी। काम की शुरुआत होने पर स्टेशन को पूरी तरह बनकर तैयार होने में 54 महीने लगेंगे। मुंबई से साबरमती के बीच में ये एक मात्र अंडरग्राउंड स्टेशन होगा। महाराष्ट्र में अब तक इस प्रॉजेक्ट के लिए 13.72% काम हुआ है, जबकि गुजरात में 32.93% काम हो चुका है।

कब से शुरू हो रहा है काम

NHSRCL के अनुसार कंस्ट्रक्शन के लिए कंपनी तय हो चुकी है, जल्द ही इनके साथ अग्रीमेंट बनेगा। अग्रीमेंट बनने के एक सप्ताह के भीतर सॉइल टेस्टिंग और युटिलिटी सर्वे जैसे काम शुरू हो जाएंगे। इस जमीन से किसी का पुनर्वसन नहीं करना है, इसलिए काम तेजी से शुरू होगा। मुंबई में स्टेशन के अलावा अंडर ग्राउंड टनलिंग का काम भी होगा। कंस्ट्रक्शन कंपनी को कुल 4.85 हेक्टेयर क्षेत्र में काम करना है।

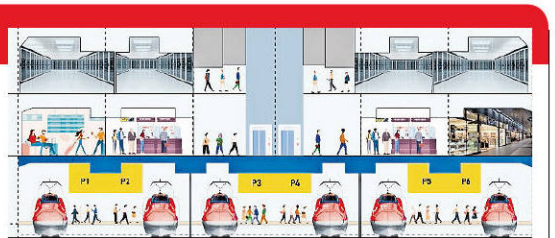

जमीन से 24 मीटर नीचे दौड़ेगी बुलेट

बीकेसी स्टेशन की कुल ऊंचाई 60 मीटर होगी, लेकिन ग्राउंड लेवल के 24 मीटर नीचे बुलेट ट्रेन दौड़ेगी। स्टेशन के प्रवेश द्वार पर अरब सागर को दर्शाती विशेष थीम होगी, जिसमें बादल और उछलती लहरों के चित्र होंगे। इसमें तीन फ्लोर होंगे, जिसमें प्लैटफॉर्म, स्टेशन परिसर और सर्विस फ्लोर शामिल हैं। स्टेशन से जुड़ने के लिए दो प्रवेश-निकास द्वार होंगे। यात्री सुविधाओं में सुरक्षा व्यवस्था, टिकटिंग, वेटिंग एरिया, बिजनेस क्लास लाउंज, रेस्ट रूम, स्मोकिंग रूम और सूचना पटल इत्यादि शामिल होंगे।

बुलेट के लिए होंगे 6 प्लैटफॉर्म

NHSRCL के अनुसार बीकेसी के इस अंडरग्राउंड स्टेशन में 6 प्लैटफॉर्म होंगे। प्रत्येक प्लैटफॉर्म की लंबाई 425 मीटर होगी। भारतीय रेल में 26 डिब्बों की गाड़ी के लिए प्लैटफॉर्म की लंबाई करीब 550 मीटर होती है। हाई स्पीड ट्रेन के लिए 16 कोच के हिसाब से प्लैटफॉर्म बनाया जा रहा है। इस स्टेशन को रोड और मेट्रो से कनेक्टिविटी दी जाएगी। बीकेसी की इस जमीन पर शाफ्ट बनाकर टनल बोरिंग मशीन को प्रवेश कराया जाएगा।

मेट्रो से जुड़ेगी बुलेट

बीकेसी स्टेशन से मेट्रो लाइन 2B को कनेक्टिविटी दी जाएगी। स्टेशन को इस तरह से तैयार किया जाएगा, ताकि यात्रियों की आवाजाही के लिए पर्याप्त स्थान मिल सके। मेट्रो, बस, ऑटो और टैक्सी से पर्याप्त कनेक्टिविटी दी जाएगी। इसके अलावा यात्रियों को अन्य परिवहन व्यवस्थाओं तक पहुंचने में कोई परेशानी नहीं होगी।

क्या है 'जमीनी हकीकत'

इस परियोजना के लिए NHSRCL 98.87% भूमि अधिग्रहण कर चुकी है। इसमें से गुजरात में 98.91%, दादरा नगर हवेली में 100% और महाराष्ट्र में 98.76% भूमि अधिग्रहण हुआ है। हाल ही में बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा इस परियोजना के लिए मैंग्रोव काटने की सशर्त अनुमति मिली थी। इसके बाद बीकेसी से शीलफाटा के बीच जमीन के नीचे 21 किमी तक सुरंग बनाने का काम शुरू हो रहा है। इसमें से 7 किमी सुरंग समंदर में बननी है।

TIMES OF INDIA, Mumbai, 21.3.2023
Page No. 6, Size:(3.65)cms X (4.93)cms.

Bullet train: 1st contract signed

New Delhi: With the roadblocks for bullet train cleared by the Maharashtra government, the first contract of the project in the state has been signed by the NHSRCL and MEIL-HCC joint venture for the design and construction of the underground station at Bandra Kurla Complex, as per an official statement. PTI

FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 21.3.2023
Page No. 5, Size:(15.43)cms X (8.97)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

BKC to get underground bullet train stn in 5 yrs

To be built at an estimated cost of Rs3,681 crore, the station will be integrated with other modes of transport

MUMBAI HSR STATION

THE ENTRY STRUCTURE DESIGN THEME IS INSPIRED FROM THE CLOUDS AND CRASHING TIDES OF ARABIAN SEA.

Ground level
- Station Entrances
- Ventilation Shafts
- Security and baggage screening
- Central Landscape and skylight

1st Basement level
- Equipment room

2nd Basement level
- Business Class Lounge
- Unpaid & Paid Concourse
- Ticket office, TVM & Customer care
- Commercial Shops

3rd Basement level
- 6 Platforms
- Platform operational rooms
- Station control rooms

The NHSRCL has appointed the Japan Government-nominated special purpose company, Japan High-Speed Rail Electric Engineering Co Ltd (JE), which will arrange for the execution of the core Japanese Shinkansen technologies works related to the safety and punctuality of the bullet train. JE will be carrying out the OCC (Operation Control Center) design contract, production and construction contracts, among others. In Japanese, Shinkansen means a network of high-speed rail corridor.

KAMAL MISHRA / MUMBAI

If all goes according to plan, a state-of-the-art station for the Mumbai-Ahmedabad bullet train will come up at the Bandra-Kurla Complex (BKC) in the next five years. To be constructed at the whopping cost of Rs3,681 crore and sprawling 4.85 hectare, the facility will be India's first underground station for bullet train. It will also be the lone underground station on the route of Mumbai-Ahmedabad bullet train.

"The National High Speed Rail Corporation (NHSRCL) signed an agreement on Monday for the work related to the design and construction of the underground High-Speed Rail Station (at the BKC) with M/s MEIL-HCC Joint Venture (comprising of M/s Megha Engineering & Infrastructure Ltd and M/s Hindustan Construction Company Ltd)," said NHSRCL spokesperson Sushma Gaur. This is the first contract awarded for the station on the bullet train stretch passing through Maharashtra. As per the agreement, the station will be ready in 54 months from the date of work commencement. It further has the clause of tunnelling into 467 meter length through cut and cover length method and construction of a 66-meter-deep ventilation shaft, which will also be used for taking out tunnel boring machine.

According to the NHSRCL officials, the station will have six platforms and length of each platform will be approx 415 meter (sufficient to accommodate a 16 coach bullet train). For further convenience of passengers, the station will have connectivity with Metro and road. "The platform is planned at a depth of about 24 meter from the ground level. There will be three floors including platform, concourse and service floor. Two entry/exit points are planned; one to facilitate the access to nearby Metro line 2B and other towards the MTNL building," said an official of NHSRCL.

The station has been planned in a way that ample space is available for passenger movement as well as amenities at the concourse and platform levels. Besides provision for natural lighting, other amenities include business class lounge, nursery, rest rooms, etc.

SAKAL, Mumbai, 21.3.2023
Page No. 2, Size:(6.57)cms X (9.54)cms.

BKC Bullet train Station construction contract is signed

बीकेसीतील बुलेट ट्रेन स्थानकासाठी करार

मुंबई, ता. २० : राज्यातील सत्तांतरानंतर शिंदे-फडणवीस सरकारने बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील अडथळे दूर झालेत. त्यानुसार वांद्रे-कुर्ला संतुलातील प्रस्तावित भुयारी स्थानक बांधण्याचा मार्गही मोकळा झाला आहे. त्यासाठी नॅशनल हाय स्पीड रेल्वे कॉर्पोरेशन (एनएचएसआरसी), मेघा इंजिनियरींग आणि हिदुस्थान कंस्ट्रक्शन कंपनी यांच्यात आज करारावर स्वाक्षऱ्या झाल्या आहे. 'एनएचएसआरसी'च्या वतीने ही माहिती देण्यात आली. विशेष म्हणजे बुलेट ट्रेनसंदर्भात महाराष्ट्राच्या वतीने झालेला हा पहिला करार आहे.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन मार्गावरील वांद्रे-कुर्ला कॉम्प्लेक्स हे एकमेव भुयारी रेल्वेस्थानक आहे. मेघा इंजिनियरींग आणि हिंदुस्थान कंस्ट्रक्शन या कंपन्यांना ३,६८१ कोटी रुपयांना हे काम मिळाले. जमिनीपासून २४ मीटर खोलीवर प्लॅटफॉर्म उभारण्याचे प्रस्तावित आहे. तीन मजल्याच्या या स्थानकांत सहा प्लॅटफॉर्म असणार आहे. पहिल्या माळ्यावर रेल्वे आणि नियंत्रण कक्ष तर दुसऱ्या मजल्यावर फूड कोर्ट, तिकीट घर, तर तिसऱ्यावर प्लॅटफॉर्म असणार आहे. या स्थानकार प्रवेश आणि बाहेर पडण्याचे दोन मार्ग प्रस्तावित आहे. तसेच त्यातील एक मार्ग मेट्रो स्थानकाला जोडले जाणार आहे.

प्रवाशांसाठी विशेष सुविधा

प्रवाशांसाठी स्थानकावर सुरक्षा, तिकीटघर, प्रतिक्षालय, बिझनेस क्लास लाऊंज, नर्सरी, विश्रामकक्ष, माहिती किओस्क, सीसी टीव्ही आदी सुविधा दिली जाणार आहे. त्यासोबत प्रवाशांसाठी मेट्रो, बसेस, ऑटो आणि टॅक्सीसारख्या इतर वाहतूक व्यवस्थेची जोडणी दिली जाणार आहे.

DAINIK BHASKAR, Surat, 21.3.2023
Page No. 2, Size:(3.69)cms X (8.74)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

मुंबई में अंडरग्राउंड स्टेशन के लिए करार

सूरत | अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम सूरत समेत दक्षिण गुजरात में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब इसके डेस्टिनेशन पॉइंट यानी मुंबई में भी बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के काम को रफ्तार मिलने लगी है। मुंबई में बनने वाले अंडरग्राउंड मुंबई हाई स्पीड रेल स्टेशन बनाने को लेकर अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह अंडरग्राउंड स्टेशन कुल 4.85 हेक्टेयर एरिया में बनेगा। इसे 54 महीने में बनाकर तैयार किया जाएगा। इसकी लागत लगभग 3681 करोड़ है। पैकेज सी 1 के तहत बनने वाले स्टेशन की कट और कवर लेंथ 467 मीटर होगी। इसका वेंटिलेशन 66 मीटर होगा। इसमें कुल 6 प्लेटफॉर्म होंगे, जो बुलेट ट्रेन के 16 कोच जितने लंबे बनेंगे।

SAKAL, Mumbai, 24.3.2023
Page No. 7, Size:(15.57)cms X (9.70)cms.

Bullet train to soon start : Bandra Kurla Complex construction gets a heads up

बुलेट ट्रेनला लवकरच सुरुवात

वांद्रे-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थानक संकुल निर्मितीसाठी कंत्राट

मनोर, ता. २३ (बातमीदार) : पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांचा ड्रीम प्रोजेक्ट असलेल्या बुलेट ट्रेनच्या महाराष्ट्रातील कामाला लवकरच सुरुवात होणार आहे. नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशनकडून बुलेट ट्रेनच्या बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थानक संकुल निर्मितीसाठी पहिले कंत्राट देण्यात आले आहे. मेघा इंजिनीयरिंग ॲण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड आणि हिंदुस्तान कन्स्ट्रक्शनला संयुक्तरीत्या हे कंत्राट देण्यात आले आहे.

मुंबईमध्ये हाय-स्पीड रेल्वे स्थानकांची रचना आणि बांधकामाशी संबंधित कामासाठी करार करण्यात आला आहे. हे मुंबई-अहमदाबाद हायस्पीड रेल्वे कॉरिडॉरच्या (बुलेट ट्रेन) कामाचे महाराष्ट्रातील पहिले कंत्राट असल्याची माहिती नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशनच्या वतीने देण्यात आली आहे. वांद्रे-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थानक संकुलाच्या निर्मितीसाठी तीन हजार ६८१ कोटी रुपये रकमेचे कंत्राट असून ४.८५ हेक्टर क्षेत्राचा विकास केला जाणार आहे. तसेच स्थानक संकुलाचे काम ५४ महिन्यांत पूर्ण केले जाणार आहे. बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थानकात सहा फलाट असतील आणि प्रत्येक फलाटाची लांबी अंदाजे ४१५ मीटर असेल. ही लांबी १६ डब्यांच्या बुलेट ट्रेनसाठी पुरेशी आहे. या बुलेट ट्रेनच्या स्थानकाला मेट्रो आणि रस्तामार्गे जोडले जाणार आहे.

वांद्रे-कुर्ला कॉम्प्लेक्स येथील स्थानक मुंबई-अहमदाबाद हाय स्पीड कॉरिडॉरवरील एकमेव भूमिगत स्थानक आहे. स्थानकाचा प्लॅटफॉर्म जमिनीपासून सुमारे २४ मीटर खोलीवर नियोजित आहे.

मुंबई एचएसआर स्टेशन
प्रवेशद्वारावरचे डिझाईन हे अरेबियन सीच्या क्लाऊड्स अँड क्रेंशिंग टाईड्सवरून प्रेरित आहे.

ग्राऊंड लेव्हल
- स्थानक प्रवेस
- व्हेंटिलेशन शाफ्ट
- सुरक्षा आणि सामानाचे स्क्रिनींग

पहिला तळमजला — उपकरणांची खोली

दुसरा तळमजला — ◆ बिझनेस क्लास लाऊंज ◆ तिकीट कार्यालय, कस्टमर केअर ◆ कमर्शियल शॉप्स

तिसरा तळमजला — ◆ सहा फलाटे ◆ स्टेशन कंट्रोल रूम्स

२९ मार्चपासून निविदा

बुलेट ट्रेन प्रकल्पांतर्गत बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स सी- १, बोगदा असलेला भाग सी- २ आणि पालघरचा भाग सी- ३ मध्ये येतो. २९ मार्चपासून पालघर जिल्ह्यातील कामांच्या निविदा प्रक्रिया सुरू केल्या जाणार असल्याची माहिती नॅशनल हाय स्पीड कॉर्पोरेशनच्या जनसंपर्क अधिकारी सुषमा गौर यांनी दिली.

प्रवाशांसाठी नियोजित सुविधा

सुरक्षा यंत्रणा, तिकीट खिडकी, प्रतीक्षा क्षेत्र, बिझनेस क्लास लाऊंज, नर्सरी, विश्रांती कक्ष, स्मोकिंग रूम, माहिती कियॉस्क आणि प्रासंगिक रिटेल, सार्वजनिक माहिती आणि घोषणा प्रणाली, सीसी टीव्ही यंत्रणा बसवण्यात येणार आहे. याशिवाय मेट्रो, बस, ऑटो आणि टॅक्सीसारख्या वाहतुकीच्या सेवांचे या ठिकाणी एकीकरण करण्याचे नियोजन आहे.